रडार फैक्ट्री

चर्चा में क्यों?

आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे के निकट बिझामई गाँव में **डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर** में 400 करोड़ रुपए की लागत से रडार बनाने की फैक्ट्री स्थापित की जाएगी।

मुख्य बिंदु

- **कारखाने के बारे में**
  - **निर्माणकर्त्ता:** 60 हेक्टेयर में विस्तृत यह फैक्ट्री **भारत हैवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड** द्वारा स्थापित की जाएगी।
  - रडार निर्माण की सुविधा से देश की **रक्षा प्रणाली में सुधार** होगा, क्योंकि रडार की उच्च गुणवत्ता वाले निर्माण से सेना को बेहतर सुरक्षा और निगरानी प्रदान करने में मदद मिलेगी।
  - इस फैक्ट्री के माध्यम से भारत को **रडार** और अन्य रक्षा उपकरणों के निर्माण में आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी, जिससे **बाहरी देशों पर निर्भरता कम होगी**।

डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (DIC)

- यह केंद्र सरकार की एक प्रमुख सरकारी पहल है, जिसका उद्देश्य भारत के रक्षा उद्योग को मज़बूती प्रदान करना और आत्मनिर्भर बनाना है।
- डिफेंस कॉरिडोर **एक रूट होता है, जिसमें कई शहर शामिल होते हैं। इन शहरों में सैन्य उपकरणों के निर्माण के लिये इंडस्ट्री स्थापित की जाती हैं।**

- महत्त्व:
  - इससे देश को रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और **'मेक इन इंडिया'** को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी, जिससे हमारा आयात कम होगा और अन्य देशों को इन वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।
  - यह प्रौद्योगिकियों के समन्वित विकास के माध्यम से रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देगा, एमएसएमई और **स्टार्ट-अप** सहित निजी घरेलू निर्माताओं के विकास को बढ़ावा देगा।
- वित्त वर्ष 2018-19 के बजट में देश में दो डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (Defence Industrial Corridor) बनाए जाने की घोषणा की गई थी। इनमें से **पहला तमिलनाडु के पाँच शहरों** (**चेन्नई , कोयंबटूर , होसुर , सलेम और तिरुचिरापल्ली**) और **दूसरा उत्तर प्रदेश के छह शहरों (अलीगढ़, आगरा, झांसी, चित्रकूट, कानपुर और लखनऊ)** में बन रहा है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/radar-factory